मुख्य संरक्षक

प्रो. कुलदीप चंद अग्निहोत्री

कुलपति

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

सलाहकर समिति

प्रो. एस. पी. बंसल

कुलपति

इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी (हरियाणा)

प्रो. राजवीर सिंह

निदेशक

कांसोर्टियम फॉर एजूकेशनल कम्युनिकेशन

नई दिल्ली

श्री मृगांक शेखर शर्मा

शिक्षा अधिकारी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

श्री सुखजीत सिंह धीमान

फ़िक्की प्रतिनिधि

प्रो. योगिन्द सिंह वर्मा

पूर्व प्रति कुलपति

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

श्री ललित मोहन

वरिष्ठ संवादाता, द ट्रिब्यून, धर्मशाला

समन्वयक

प्रो. मनोज कुमार सक्सेना

अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल

मानद निदेशक, दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

आयोजन समिति

प्रो. एच. आर. शर्मा

प्रो. आई. वी. मल्हन

प्रो. ए. के. महाजन

प्रो. रोशन लाल शर्मा

डॉ. प्रदीप नायर

डॉ. भगवान सिंह

डॉ. नवनीत शर्मा

डॉ. अनु जी. एस.

सुश्री प्रकृति भार्गव

डॉ. जय प्रकाश सिंह

डॉ. ऋचा राणा

सुश्री. मोनिका

डॉ. आर. पी. राय

डॉ. हर्ष मिश्रा

डॉ. आशीष नाग

डॉ. मनप्रीत अरोड़ा

डॉ. मोहिन्दर सिंह

डॉ. सचिन श्रीवास्तव

अधिक जानकारी हेतु संपर्क करें:

प्रो. मनोज कुमार सक्सेना

अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल

मानद निदेशक, दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

दूरभाष: +91-98050-15599, 88947-03576

ईमेल : ddukkcuhp@gmail.com

KUKHIL PRINTING & PUBLISHING CO. DHARAMSHALA TEL.: 01892-224000

संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार

प्रायोजित

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय दर्शन एवं सामाजिक विचार

दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी फरवरी 16-17, 2018

आयोजक:

शिक्षा स्कूल

एवम्

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

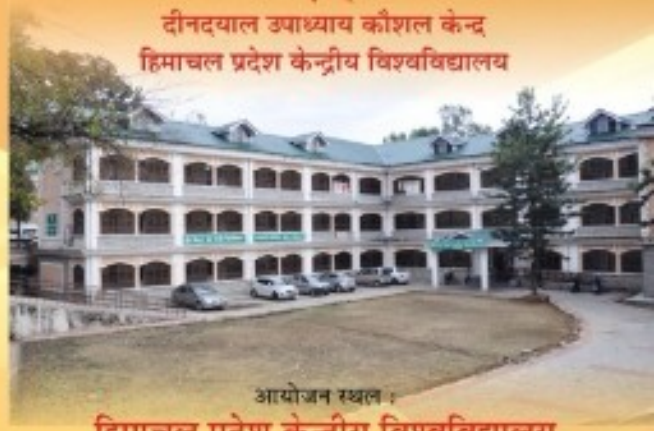

आयोजन स्थल :

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

धौलाधार परिसर

निकट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, धर्मशाला,

जिला काँगड़ा (हि. प्र.)

विश्वविद्यालय के विषय में

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 (सं. 25, 2009) के अंतर्गत की गयी है। यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित व अधिनियमित है। विश्वविद्यालय का मुख्यालय धर्मशाला, जिला काँगड़ा में है जो कि विश्वभर में अपनी स्वच्छ छवि, मनोहर आबोहवा एवं आध्यात्मिक वातावरण के लिए जाना जाता है। विश्वविद्यालय के तीन अस्थाई शैक्षणिक खण्ड क्रमशः धर्मशाला, देहरा एवम् शाहपुर में स्थित है। विश्वविद्यालय की समस्त अकादमिक गतिविधियाँ तीनों अस्थाई शैक्षणिक खण्ड से संचालित की जा रही हैं।

शिक्षा स्कूल के विषय में

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का शिक्षा स्कूल सन् 2012 में प्रारंभ हुआ। शिक्षा स्कूल में परास्नातक (शिक्षा) एवम् पी.एच.डी. के कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। शिक्षा स्कूल को विभिन्न संस्थाओं से प्रोजैक्ट मिले हुए हैं तथा मुक्त शैक्षिक स्रोतों के विकास हेतु कॉमनवेल्थ एजूकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया, नई दिल्ली से वित्तीय एवम् तकनीकी सहायता प्राप्त है। शिक्षा स्कूल निरंतर विभिन्न कार्यशालाएं तथा प्रतियोगिताएं आयोजित करता रहता है।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र के विषय में

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने व्यापक स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा के उत्थान हेतु विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र की स्वीकृति प्रदान की है जो कि विश्वविद्यालय की एक श्रेष्ठतम उपलब्धि है। कौशल केन्द्र, बी.वोक पाठ्यक्रम के अंतर अन्य पाठ्यक्रम संचालन के लिए भी प्रयासरत है। कौशल केन्द्र NSQF, QPs, NOS के मार्गदर्शक सिद्धांतों का अनुपालन करते हुये उद्यमवृत्ति को भी प्रोत्साहित करता है। केन्द्र, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा एवं डिग्री तीनों प्रदान करने के नूतन शिक्षा पिरामिड हेतु बीकरह पालन करता है।

संगोष्ठी के विषय में

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने देश भर के विभिन्न संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं। इस संदर्भ में केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश ने शिक्षकों और शोधार्थियों को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन और सामाजिक विचार से परिचित कराने हेतु इस विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी आयोजित करने की योजना बनाई है। यह विदित है कि हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय देश के उन विशिष्ट संस्थानों में से एक है, जिन्हें दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र प्रदान किया गया है, इसलिए प्रस्तावित संगोष्ठी उपरोक्त योजना हेतु संस्कृति मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित विविध लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक होगी।

पण्डित दीनदयाल उपाध्याय दार्शनिक, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, इतिहासकार, पत्रकार होने के साथ राजनीति विज्ञानी भी थे। उपाध्याय जी ने एकात्म मानववाद के राजनैतिक दर्शन को प्रतिपादित किया। एकात्म मानववाद का दर्शन शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वित कर समकालीन विकास पर बल देता है। यह भौतिक और आध्यात्मिक, व्यक्तिगत और सामूहिक तत्वों के संश्लेषण की दशा में ही संभव है। राजनीति और अर्थचिंतन के क्षेत्र में उनके विचार व्यावहारिक और प्रभावशाली हैं। उन्होंने एक ऐसे भारत का स्वप्न देखा, जिसका मूल आधार ग्राम आधारित आत्म-निर्भर अर्थव्यवस्था तथा विकेंद्रित राजव्यवस्था हो। वह आधुनिक तकनीक के पक्षधर थे, लेकिन उनकी मान्यता थी कि तकनीक का भारतीय आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलन हो। पण्डित उपाध्याय सृजनात्मक दृष्टिकोण में विश्वास रखते थे। उन्होंने अपने अनुगामियों को सही होने की दशा में सरकार का समर्थन करने और गलत होने की दशा में निडर होकर विरोध करने के लिए प्रेरित किया।

संगोष्ठी के उद्देश्य

- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के चिंतन और उच्च शिक्षा की आधुनिक प्रणाली में उसके महत्व पर चर्चा एवं विमर्श।
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के सामाजिक और राजनैतिक चिंतन का विविध आयामों से परिचय।
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के आर्थिक चिंतन एकात्म मानववाद पर चर्चा एवं विमर्श।
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय और अन्य राजनैतिक चिंतकों के विचारों पर तुलनात्मक दृष्टि से अभिमत और विमर्श।

उप-विषय

- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का कर्तृत्व
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का राजनैतिक और सामाजिक दर्शन
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय प्रणीत एकात्म मानववाद और उनका आर्थिक चिंतन
- पण्डित दीनदयाल उपाध्याय और अन्य राजनैतिक चिंतकों के विचारों का तुलनात्मक विवेचन।

शोध पत्र हेतु आमंत्रण

शिक्षा स्कूल एवम् दीनदयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय विविध विषयों विशेषतः दर्शनशास्त्र, समाजशास्त्र, शिक्षाशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान, इतिहास, समाज कार्य, पत्रकारिता और मानवाधिकार सहित उन अन्य अनुशासनों से संबद्ध और उपरोक्त उल्लेखित विषयों पर शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे शोधकर्ताओं से मूल पत्र आमंत्रित करता है। पत्र हिंदी व अंग्रेजी किसी भी भाषा में हो सकते हैं। जिसकी अधिकतम शब्द सीमा 5000 निर्धारित है। शब्दों के लिए हिन्दी में कृति देव, शब्द आकार 10 व अंग्रेजी के लिए टाइम्स न्यू रोमन, शब्द आकार 12, सारांश सहित होना चाहिए तथा इसको 5 फरवरी 2018 तक समन्वयक को ddukkcuhp@gmail.com पर ईमेल किया जाए। समीक्षा के पश्चात पत्रों की स्वीकृति को दिनांक 10 फरवरी 2018 तक ईमेल द्वारा अधिसूचित किया जायेगा। उपरोक्त सीमा एवं फार्मेट से इतर पत्र समीक्षित नहीं किए जाएंगे। समीक्षा समिति का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा।

प्रतिभागी

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न भागों से शिक्षाविद, शैक्षणिक प्रशासक, शोधकर्ता, कौशल आधारित शिक्षा और उपरोक्त उल्लेखित विषयों पर शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रहे सदस्य भाग लेंगे।

पंजीकरण शुल्क

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हेतु शुल्क ₹ 1,000/- प्रति प्रतिभागी होगा। इस पंजीकरण शुल्क में जलपान, मध्यान्ह भोजन तथा सेमीनार किट सम्मिलित होगी।

यात्रा सुविधा

प्रतिभागियों को यात्रा व्यय स्वयं वहन करना होगा।

आवास सुविधा

प्रतिभागी आवासीय सुविधाएं अपने स्तर पर सुनिश्चित करें। आयोजक पूर्व सूचना पर आवास नियोजित कर सकते हैं, जिसका भुगतान प्रतिभागी पर देय होगा।

कैसे पहुंचे

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन स्थल हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय का धौलाधार परिसर, धर्मशाला है जो कि सड़क और वायुमार्ग से जुड़ा हुआ है। निकटतम रेलवे स्टेशन पठानकोट कैंट (90 कि.मी.) तथा ऊना, हिमाचल (120 कि.मी.) है, गग्गल हवाई अड्डा, धर्मशाला (15 कि.मी.), बस अड्डा काँगड़ा (25 कि.मी.) तथा धर्मशाला (3 कि.मी.) है।

मौसम

फरवरी माह में धर्मशाला में मौसम सामान्यतः ठण्डा होता है, तापमान सामान्यतः $5^{\circ}C$ से $15^{\circ}C$ के मध्य रहता है।